उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

पाठ्यक्रम (SYLLABUS)

संगीत गायन–प्रशिक्षित स्नातक (माध्यमिक शिक्षा)

(विषय कोड–12)

1. भारतीय संगीत का उद्भव एवं विकास (ऐतिहासिक विवेचन)।
2. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों की पूर्ण व्याख्या संगीत, नाद, श्रुति, स्वर, अलंकार, सप्तक, थाट, राग, आलाप, तान, जाति, ग्राम, मूर्छना, गमक, मार्गी, देशी, रागांग, भरत कृत सारणा चतुष्टयी, ध्वनि विवर्तन, अनुनाद, इष्ट एवं अनिष्ट स्वर।
3. 'निम्न रागों का अध्ययन, विशेषता स्वर विस्तार, राग की बढ़त एवं आलाप तान सहित लिपिबद्ध करने की क्षमताश। स्वर के छोटे–छोटे टुकड़ों के माध्यम से राग पहचानने की निपुणता। श्राग का सरगम, गीत, आरोह–अवरोह, पकड़ की जानकारी'।

   राग बिलावल, भूपाली, काफी, आसावरी, यमन, भैरव, बिहाग, भीमपलासी, मालकौंस. केदार, पूर्वी, जौनपुरी, भैरवी, हमीर का पूर्ण अध्ययन।
4 निम्न तालों की पूर्ण जानकारी दादरा, कहरवा, रूपक, झूमरा, झपताल, सूलताल, एकताल, चारताल, धमार, दीपचन्दी, आड़ावारताल, पंचमसवारी, गजझम्पा, तीनताल व तिलवाड़ा।

   ताल, मात्रा, लय, आवर्तन, ताली, खाली आदि पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या एवं तालों की दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़ लयकारी निकालने की जानकारी।
5. गीत की विभिन्न शैलियोंः ध्रुपद, धमार, ख्याल, सरगम, टप्पा, ठुमरी, तराना, चतुरंग, होली, भजन, कजरी गीत की जानकारी।
6. तानपूरा, तबला, हारमोनियम वाद्य का सामान्य अध्ययन।
7. कर्नाटक एवं हिन्दुस्तानी स्वरों का अध्ययन।
8. प्रमुख संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान तानसेन, स्वामी हरिदास, पं० विष्णु दिगम्बर पलुष्कर, पं० विष्णु नारायण भातखण्डे, पं० ओंकारनाथ ठाकुर, मतंग, अहोबल, अमीर खुसरो।